

# असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग III - खण्ड 1 PART III—Section 1 प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

**₹**0 1

नई विल्ली, सोमवार, फरवरी 1, 1982/माघ 12, 1903

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 1, 1982/MAGHA 12, 1903 No. 11

> इस् भाग में भिन्म पृष्ठ संस्था को जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रणा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

# विस मंत्रालय कार्यालय सहायक ब्रायकर ब्रायकत (निरीक्षण) मजॅन रेंज [

कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन मुखना नई विल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० ब्राई० ए० सी०/एश्यू०/एस० धार०-111/5/81/193 - श्रत मुझे एस० ब्रार० गुप्ता ब्रायकर ब्रिबिनियम, 1961 (1961 क। 43) (जिसे इसमें इसके पंथ्वात 'उक्त प्रधित्यम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-६० से मधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जा ग्रेटर कैलाश-1, नहीं देल्ली में स्थित है (भीर उपने उपायंद्र धन्यूकी से पूर्व स्था से वर्णिन ु रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के क'र्यालय, तई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख मई 1981 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम से कम वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्नरित की। गई है श्रीर सुधे चंड विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकि सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत स्रधिक है **भौ**र श्रन्तरक (भन्तरको) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितिगो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए पय पात्रा गया प्रतिकत, निस्तिकित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिश में वास्तविक रूप से क्षित तही किया गया है :---

(क) छन्तरण स हुई किसो आय को याबन आपकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देव के प्रस्तरक के दारित्त में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए भीर/या (छ) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भाष्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिति ह।राप्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

धत ग्रब, उक्त अधिनियम की घार। 269-ग के श्रनुसरण मे, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ज भी उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् ---

- मै० माज्य दिन्ती बिल्डर्स प्रा० नि० 23/2 युसुफ मराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायग कीन द्वारा)
- 2. श्रीमती माहभा बेचन पभा कजातमा कनोकरम गली, मुरादाबाद

को यर एवन। भागे जरते पूर्वाक सम्प्रति के अर्थन के लिए कार्यबाह्य सुरु बरता है। उक्त सम्मन्ति के अर्जन के सम्पन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूलता के दाजाला में प्रकाशन की अपनेखा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की नाभंग्न से 30 दिन की ब्रवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिपो में किसी शिक्ति दास ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भ पातान को भागित ने 15 कि भीतर उन्ह स्यापर मन्यसि में हित्यक हिं। प्रशं वाति द्वारा, श्रवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंग ।

1270 GI/81---1

स्पध्टीकरण -- इसमें प्रगुक्त शब्दों श्रीर पर्यों का, जो श्रायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिशाधित है, यही शर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ध्रमुस् ची

(बंसमेन्ट) प्रौ० न० एस-13 ग्रेटर कैलाश, नयी विन्ता ।

एस० घार० गुप्ता. सक्षम प्रधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रीज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तार्र ख : 23-1-82 मोहर .

#### MINISTRY OF FINANCE

Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I

Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq I/SR-III/5-81/193.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Basement (S-13) situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. South Delhi Builders (P) Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Nara'n Kaul. (Transferor)
- (2) Smt. Shahana Begum w/o Fazallahma r/o Knokram Street, Moraduhad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of nublications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Basement in property No. S-13, Greater Kailash-I, N. Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range I Delhi/New Delhi.

Dated: 23-1-82

Seal

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रश्लोक सुचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० मार्ड ए० सो०/एक्यु० 1/एस० मार०-ПП/ 5-81-302 .-- मत ममे एस॰ ग्रार॰ गुप्ता भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विस्तास करी का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- र से अधिक है और जिसकी संबंध एम-13 है तथा जा पेंटर कैमाया, नई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावक धनुभूकी में पूर्व इत्य से विधित है), रजिस्ट्रीकर्ता धरिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रयोग तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्मक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम रुप्रमात प्रति-फल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विधनान भरते का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल मे, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्निरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या करूप क्रास्तियों को, जिन्हें धारतीय धायकर श्रीधित्यम, 1922 (1922 का 11) या धायकर श्रीधित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रीधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रत्ति द्वारा प्रकट कही किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः भ्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भ्रीधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) के भ्रधीन निम्न-लिखिन श्र-क्तियों, शर्थान् :---

- ग मै० साऊथ दिल्ली जिल्डमें प्रा० लि० 23/2 युगुफ सराय, नई दिल्ली (डारेक्टर श्री कमला नारायण जील क्रांशः) (धरकरक)
- 2 श्रीमर्ता ज्ञान कौर पत्नी श्री एम० जगत मिह सी/घो० हाल जाजार समुतभर (श्रन्तरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रवी। के तिए कार्यवाही शुरु शरता है। उक्त सम्पत्ति के श्रवी। के प्रमाध्य में कीई भी श्राक्षीय

(क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धविध या सत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 विन की धविध बाद में समाप्त होती हो, के चीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घटन व्यक्ति द्वारी, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्यक्षिकरण : --- इसमें प्रयुक्त शन्तों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्नाप 20-की में यथा- परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुस्**ची

प्लैट नं॰ ए, एस-13 का हिस्सा, ग्रैटर कैलाग-र, नई बिल्नी ।

सारीखं 23-1-1982 मोहर एस० भार० गुप्ता, सक्षम अधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भाजन रैज I विल्ला/नई विल्ला

# Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-811302.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. A', S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. South Delhi Builders (P) Ltd., r/o 23/2, Yusuf Sarai. New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) M/s. Geyan Kaur w/o S. Jagat Singh C/o Hall Bazer, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. 'A' (Ground Floor) part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range I Delhi|New Delhi

Date: 23-1-1982

Seal:

# न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाँरा 269 व(1) के मधीन सुचना

नई दिन्ती, 27 जनवरी, 1982

सं अप्रदे ए॰ सी॰/एक्यू-I/एस॰ आर-III/5-81/242:--अतः मझे एस० घार० ग्प्ता, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रश्वितियम' कहा गया है) की धारा 269खा के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 25,000 कु से प्रधिक है भीर जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रैटर कनाया, सई दिल्ली में स्थित है (भीर इपसे उपावत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रांकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्तों में भारतीय रिजर्स्ट्रा-भारण प्रधितिथम, 1908 (1908 का 16) के प्रजीन वारीया, मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दुम्बमान प्रशिक्तत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे तह विग्वास करने का कारण है कि यथ।पूर्योक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मृत्य, जनके दूरवमान प्रतिफत से, ऐसे दृतनमान प्रतिकत के पन्दर प्रतिगत प्रधिक है मौर भ्रत्सरक (अन्तरकों) श्रीर भनारिती (प्रतारितिया) के बीव ऐसे धेन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकत, तिस्तलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे किया नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई कियो आय की बान आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उनमें बचने में पुतिशा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या घरत प्राहेसयों को, जिन्हें भारतीय आधकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकतार्थ प्रस्तितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या, किया जाता व हिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रवः, उतः प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरग में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उन-प्रारा (1) के प्रधी। विस्त-विश्वित व्यक्तियों, प्रपात .---

- भैसर्त साऊय, दिल्लो बिल्डेर्न के जिल्ला 23/2 युगुक नरा सई दिल्ली (इ.रेस्टर आ अनत नारायम की त गए) (भन्तरक)
- 2 श्रीमती ईवर कौर पत्नी सरः जोगिन्छ सिह,

पता: डी-16, कैलाग़ कालोगे, तई दिल्ला 10048 (प्रकारिती) को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यकाही गुरू परता है। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के लम्बन्ज में कोई मी प्रीकाक्षेत्र

(क) इस सूचनां के राजस्य में प्रकृशन की नारीख़ से 45 श्रीयक की भवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिस की इथिश, जो बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वीक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रशास की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति उत्तर अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगें.
- स्पष्टोकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्यात 20-क मे प्रया परिमाणित हैं, यही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुम् औ

पलैंट मं० बी० ग्राउड पलोर, प्रो० न० एस-४३ का हिस्पा, भैटर कैलाश [. मई दिल्ली ।

> एन० ग्रार० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्राप्तकर प्राप्तक (निरीक्षण)-ग्राप्त रैज ! विल्ला/नई विल्ला

तारी**ष** 27-1-1982

मोहर

Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No.IAC/Acq. 1/SR-III/5-81|242.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-(ax Act, 1361 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Flat No. 'B' G.F. S-13, situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Acc, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi, on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through Director Shri, Kamal Naram Kaul. (Transferor);
- (2) Smt. Ishwar Kaur w/o S Joginder Singh r/o D-16, Kailash Colony, New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explics later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 'B' Ground Floor, measuring 965 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA. Competent Authority,
Date . 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range J

न्नायकर म्रानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मुखीत सुनना

नई दिल्ली 27 जनवरी, 1982

सं त्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० झार०-111/ 5-81/ 196:--- अत: मुझे, एस० भ्रार० ग्प्ना, **भ**ायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000 ४० से मधिक है ग्रीर जिसकी सक्या एस-13 है तथा जो ग्रेटर कैनास, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमे उपाबद अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, मई, 1981 का पूर्वीक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मुख्य से कम से कम वृश्यमान । प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुग्यमान प्रति-फल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के परवह प्रतिगत प्रधिक है स्रीट सन्तरक (अस्परकों) भ्रौर भ्रन्तरिनी (भ्रन्तरिनियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे थास्तविक रूप से कथिन नही किया गया है.--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, भौर/था
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्राधित्यम, 1922 (1922 का 11) या भायकर भ्राधित्यम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भ्रन्तरिति कारा प्रकट महीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रत. भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्न-लिखित व्यक्तियो, भ्रथींन :--

 मैंग० साऊथ दिल्ली जिल्इसं प्रा० लि०, 23/2 युगुफ सराय, नई दिल्ली (डारेम्टर श्री कमन नारायण कौल द्वारा) (श्रन्तरक) 2. श्रीमनी मीरा धर्मा, पत्नी श्री बीठ केठ शर्मा 573. सेक्टर-3 श्रास्ठ केठ परम, गई विनी प्रस्तरिती

The Contract of the Contract o

को यह सूचना जारी करने पूर्वांका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्षूंबाही शृंग करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अर्देण

- (क) इस सूचना के राज हैं में प्रकाणत की नारीख से 45 दिन की श्रवधि था क्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनवद्ध किमी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, ग्रधाहरूनाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्ध्याकरण :— इससे प्रयुक्त शब्दों अन्य पदा का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ने अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

#### श्रनुसूची

फ्लैट नं० बी, प्रो० नं० एस-13 का हिस्सा, प्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली

०्स० ग्रार० गप्ता, सक्षम ग्रविकारी सह यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रैज l

तारीख : 47-1-82

दिल्लं /नई दिल्ली

मोहर

# Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I<sub>1</sub>SR-IR 5-31,196.—Whereas 1, S. R. Gupta being the Competent All hority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. B, F.1., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi, on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

seetign 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) Smt. Meera Sharma w/o Sh. V. K. Sharma r/o 573, Sector III, R. K. Puram. New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

l lat No. 'B' (F.F.) measuring 27 ag. fts. part of property No. S-13. Greater Kailash I. New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date 27-1-82 Seal

> श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

> > नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० श्रार०-III/ 5-81/ 194:--श्रतः म्झे, एय० ग्रार० ग्प्ना आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिससे इसमें इसके पम्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्रधीन नक्षम मधिकारी, को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रैटर कैनाश, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबध्द अनुसुची में पूर्ण रूप से विणित है. /जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मल्य में कम में कम दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथा पुर्वेक्ति सम्पति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशंत ग्रधिक है ग्रीर ग्रस्तरक (ग्रन्तरकौ) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण निखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने मे मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िनमी प्राय या कियी धन या अन्य भ्राप्तिगो को. जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43 )या धन कर

ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रतुपरण में, में उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों श्रर्थातः—

- 1. मैस० साउथ दिल्ली विल्डर्स प्रा० लि० 23/2 युशुफ सराय, नई दिल्ली (डाथरेक्टर थीं कमल नारायण कौल द्वारा) (अन्तरक)
- 2. कुमारी रंजना आपर मुपुर्ता स्व० श्री बी० श्रार० थापर सी० श्री० सिंडिकेट बैंक, श्रासफ श्रानी रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती) को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्नाक्षरी के पाम लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त णब्दों यौर पदों का, जो श्रायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ,श्रनु**सूच**ी

फ्लैट नं० सी, एस-13 का हिस्सा. ग्रैटर कैलाम-1, नई दिल्ली।

एस० ग्रार० गुप्ता, सक्षम ग्रधिकारी  $\mathbf{ci.time:}\ 27\text{-}181$  सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज  $\mathbf{i.}$  मोहर पिरलें। $\mathbf{f}$  दिल्लें।

#### Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/194.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. C, F.F., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any noome arising from the transfer; and/or (b) facilitating the con entment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd. 23/2, Yusuf Sara:, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) Miss RanjanaThapar d/o late Sh. B. R. Thapar C/o Syndicate Bank, Asafali Road, New Delhi. (Transferee)

Obejections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :--

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Flat No. C, first floor, area 908 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I. New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority
Date: 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

# स्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1983

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० ग्रार०-III/5-81/241 :- ग्रतः मुझे एस० ग्रार० ग्प्ता, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिनकी संख्या एम०-13 है तथा जो ग्रैटर कैलास-1. नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वींक सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत अधिक है सौर अन्तरक (यन्तरकों) सौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देण्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में दास्तविक रूप से कथित नीं किया गया है :--

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबन भ्रायकर अधिनियम,
 1961(1961 का 43) के अधीन कर देने के भन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए भीर/या

(श) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधितियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रीधितियम, 1961 (1961 का 13) या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा श्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: श्रव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उप-धारा (1) के अधीन निम्नितिखन व्यक्तियमं, अर्थात:—

- 1. भैग । साउथ दिन्ती चिल्डमं प्रा० (त्र (ग्रन्तरक) 23/2 युसुफ सराय, तर्श दिल्ली (कायरेक्टर श्री कमण नारायण कील द्वारा),
- श्रीमती मलेन्द्र भगवंत्र सिंह पत्नी (भ्रन्तरिती) स्थ० भगवन्त सिंह पता: एस० 13, ग्रैटर फैलाण-1, नई विल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्ष्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाही सुरू करना हुं। उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .—

- (क) इस मूचना के राज्ञ जन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामीण से 30 दिन की सबक्षि कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया। में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पति में हिसबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति कारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.- इसमें प्रपृक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

बरभाती, एस० 13, का हिस्सा, ग्रैटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

एस० ग्रार० गुप्ता, सक्षम ग्रिकिंगरी सह।यक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजंन रैंज I विल्ली/मई दिल्ली

सारीख 27-1-82 मोहर

Notice under section 269 D(I) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. 1/SR-III/5-81|241.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the s. id Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Raisati, S-13, situated at Greater Kailash I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul (Transferor).
- (2) Smt. Satinder Bhagwant Singh w/o late Bhagwant Singh, S-13, Greater Kailash-I, New Delhi (Transfree).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## **SCHEDULE**

Barasati measuring 842.5 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailesh-I. New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority
Date: 27-1-1982, Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

नई विल्ली, 27 जन्दरी, 1982

सं० बाई० ए० सी०/एक्पू०-1/एस० बार०-III/5-81/195,--- अतः मुझे एस० बार० गुण्ता आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 260-ख के चधीन राक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ए० से प्रधिक है और जिमकी संख्या एस०-13 है तथा जो प्रेटर कैणाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इसमें उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से अणित है), रिजम्ब्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली 1 में भारतीय रिजम्ब्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीख मई, 81 को पूर्वोकर लग्धित के उचित बाजार मूख्य से कम में कम एक्यास प्रतिकत को कारण है कि प्रधापुवींकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत के लिये च्यापुवींकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्नाह प्रक्षित प्रधार है घौर प्रस्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखत

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय मी बाधा श्रायन स्वितियम, 1961(1961 का 13) के श्रिशत मार देने के श्रम्तरक के वासिक में कमी करने या उसमें बचने में सुधिशा के लिये श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी क्राय या ित्सी क्षेत या कृत्य क्रारित्यों को, जिन्हें सार्त्री आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्रान्ति ि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिये या, छिपान में सुविधा के लिये.

श्रातः श्राबः, छकः। प्रधितियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं छक्त अधितियम की बारा 269-च की उप-भारा (1) के प्रधीत निभन्नकित्वत व्यक्तियों, प्रशीत् ---

- 1 मैं० माउथ दिल्ली विरुद्धभैप्रा० लि० (श्रन्तरक), 23/2 युम्फ गण्य, नष्ट दिल्ली '(डायरेक्टर श्री कमल नारायण कील द्वारा),
- श्री एमन्युत् भागेष मुग्त भी प्रास्त्र्डां भागेष (धान्तरिति) पता.--एमन-13, ग्रेटर कैलाग, नई विल्ली।

की यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिये कार्यवाही मुक्क करना है। उका सम्पत्ति के अर्थना के संबंध में काई भी आंधी। —

- (क) इस स्चना के राजपल में प्रकाणन की भारित्य से 45 दिन की अविधि या नत्मंबधी व्यक्तियों पर सूचना की काशित्र से 30 दिन की प्रविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सृचना के राजपन्न में प्रकाणन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीतस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्श्वाकरण:--- भूममें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, को श्रायकर श्रवि-नियम, 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20-क में यथा परिभाषित है, यही श्रवें होता, को उस शब्दाय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

फ्लैट न० सि॰ ग्राउंड फ्लोर, क्षेत्र 750 वर्ग फीट, भी॰ न० एस॰13 का हिस्सा ग्रेटर कैलाम-1, नई विल्ली।

एस०प्रार०गुप्ता, सक्षम अधिकारी

तारीख 27-1-82 महायक धायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I मोहर विल्ली,/नई दिल्ली

Notice under vection 269 D(l) of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC Acq. I'SR-III | 5-81 | 195. — Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Flat No. C. G.F., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

other at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferoi(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction  $c_1$  evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of day in ome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul (Transferor).
- (2) Shri S. N. Bhargava S/o Shri R. D. Bhargava R/o S-13, Greater Kailash-I. New Delhi (Transferge).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## **SCHEDUJ** E

Flat No. 'C' Ground Floor, measuring 750 sq. ft. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Datc : 27-1-1982 Seal Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I Delhi/New Delhi.

# न्नायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के भ्रधीन सुचना

नई विल्ली, 27 जनवरी, 1992

सं० शाई० ए० सी०/एकपू०-1/एस० प्रार० III/5-81/303.—गतः मुझे एम० प्रार० गुला आयक्तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनः शिधितियम' कहा, एया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उत्ति शाकार मृख्य 25,000 क० से अधिक है और जिसकी संख्या एम०-1। है सथा को प्रेटर कैलाजा-1, कई दिल्ली में स्थित है (शीर इसमें उपाबद्ध शत्तुक्ती में पूर्व क्य से विध्यत है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में पार्थीय रजिस्ट्रीकरण, प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ला बाजार मृख्य से कम से कम सुप्रयमान प्रतिकल

कं लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विकास में का स्वारण ह ि विश्वविद्या स्वति का अभि । । । । १५०० पार, उसीड दूरसमार प्रतिकार में, ऐसे दूष्यमान प्रतिकाल के पत्थह प्रतियत आध्या है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिविधित) के बीच ऐसे अन्तरण के १०० न्य तथा स्था प्रतिकार, निम्निलिखन उद्देश्य से उस्त अन्तरण विद्यान में बास्तरिक मार में बियान नहीं किया नथा है :--

- (क) कल्परण में हुई किये गक्ष को बाब का नायकर मधिक्यम, 1961(1961 का 13) के नवान कर देने के अन्तरक के दाधिक में कभी करने मा उससे बजने में मुविधा के विसे, भीर/या
- (ख) ऐसी किने प्राय या किसी धन भा श्रन्य शास्त्रियों को, तिन्हें सार्ग्तीय आपकर श्रिधिनिएस, 1922(1922 का 11) या श्रायकर श्रीधिनियस, 1941(1961 का 13) या धन-पर श्रीधिनियस, 1957 (1957 का 27) ही प्रयाजन के अस्तरियों होता प्रकट नहीं थिया गया था सा िया जाना चालिये था, खिनाने में सुनिवा के लिये ,

अतः अव, उक्ष्म अधिनियम की धारा 269-म के चनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा १69-घ की उन-धारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिपीत् .--

- (1) मैं० साउप दिल्ली बिरुडर्स प्रा० लि॰ 23/2 युगुफ भराय, नई दिल्ली (बाइरेस्टर श्री कमल तारायण कौत द्वारा) (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती धनवस्त कौर ग्रीर मिस्टर सुरजीत सिंह, एम-५०, मालबीय नगर, नहीं दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

यो यह सूचना जारी करके पृत्रोंका सम्पन्ति के श्रजैन के निये कार्यवाही एक वरता है। उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या सर्थवंत्री व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के सीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति कारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिन्तु किसी शत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किये जा स्केगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त सब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही भर्य होगा, जा उन श्रध्याय में दिया नवा है।

#### ग्रमुसुची

फ्लैंट नं० (मेजनीन फ्लोर, क्षेत्र ९९७ वर्ग फीट), सम्पत्ति नं० एस-13 ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

एस० आर० ग्या, सक्षम श्राधकारी

मारीख: 27-1-82 मोहर गद्दासक भागकर भागकत (निरीक्षण) स्रजन रेंभ-I, दिल्ली/ नई दिल्ली

Notice under section 269 D(I) of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-IH '5-81:303.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Flat No. F-1, S-13, situated at Greater Kai-1270 GI/81—2

lash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule an exed he eto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferr as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the puncess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) Smt. Dhanwant Kaur, and Mr. Surjeet Singh r/o M-69, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- , (b) by any other person interested in the Official Gazette .

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## **SCHEDULE**

Flat No. F-1, Mazanine floor, measuring 887 sq. ft. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

Date : 27-1-1982 Sept S. R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I Delhi/New Delhi.

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के म्रायीन भूचमा

नई विल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० माई० ए० सी०/एक्यू०-ग्रिएस० म्रार०-ग्रिंगं 5-81/214 — प्रत. मुझे, एस०प्रार० गुन्ता, शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपन प्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 366-ख के अधीन सक्षम प्रधिनारों को, यह विश्वास करने वा भारण है कि स्थायर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ६० में प्रधिक है भीर जिसकी संख्या 16/2213 है तथा जे, नाई काला, करोल बाप, नई दिल्ली में रियन है (भीर इससे उपावद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कामीलय,

नई दिल्ली में भारतीय रिजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) वं: प्रधीन भारीख मई, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम वृश्यमान प्रतिकल के लिये प्रत्तित की गई है और मुझे यह विष्णास करने ता कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दण्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशाः अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) ग्रीर भ्रन्तरिती(अन्तरिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर प्रधिनियस, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरन के दासित्य में तमी करने या उसने अचने में सुविधा के लिये; श्रीर/धा
- (ख) ऐंसी किसी आय या किसी क्षम या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 मा 11) या द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुविधा के सिये;

फत क्रज, उक्त क्रिधिनियम की धीरा 269-म के अनुसरण में, मै जनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उत्थारा(1) के प्रधीन निम्न-लिखिन व्यक्तियो, प्रयति --

- (1) श्रीमती सरश खुरूपर पत्नी श्री के०के० खुरूपर 3-बी/5 पूर्वी मार्ग, नर्दे दिल्ली। (अन्तरमः)
- (2) श्री लेख राज चानना स्पृष्त श्री रामदिला मल, शी-3/19, असन्त विहार, नई दिस्सी। (श्रन्त'रिर्तः)

को यह मुखता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रार्जन के लिये कार्यवाही गुरू करता हु। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप .—

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मबधी व्यक्तियो पर सुचना की नामील से 30 दिन की प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (আ) इस मृजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्यत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहरनाक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण - इसमे प्रयुक्त भव्दो श्रीर पदी का, जो श्रायकर ग्राब-नियम, 1961 (1961 का 43) के फ्राइशाय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मे दिया गया है।

## श्रमुसू ची

1/3 हिम्सा प्लाट न० ५६4, ब्लाक औ०, नाई बाला, करोल बाग, नई दिल्ली।

> एस०भार० ग्ष्या, सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, विरुली/ नई विरुली

Date

Scal

27-1-1982

# Notice under section 269 D(I) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81|214.-Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. XV1/2213, situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt Saras Khullar w/o Sh K K Khullar r/o 3B/5, Poorvi Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Lekh Raj Channa S/o Ram Ditta Mal, B-3/19, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette;

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

1/3rd share in Plot No 564, Block-J, Naiwala, Karol Bagh, 222 sq yds

> S. R GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range J Delhi/New Delhi.

**मारीख: 27-1-8**2 मोहर

# भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के ग्रधीन सुखना

नर्ध दिल्ली, 27 अनवरी, 1982

सं० ऋषि० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० ऋार०-III/ 5-81/ 216 - - ग्रनः मुझे, एस० ग्रांटन, ग्रांचन, ग्रांचकर ग्रंथिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधनियम' कहा राया है) के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुरु९ 25,000 ४० से प्रधिक है प्रौर जिसकी संख्या के-18 है तजा जो जीन पार्क एक्टेन्शन, नई दिल्ली में स्थिप है (धीर इसमें उपावड़) अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रेनर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नर्ष फिल्ली में भारतीय रिजर्म्हाकारण अधिनिधम, 1990: (1908 का 16) के प्रधीन नारीख मई, 1981 को पूर्वीका मध्यनि के उचिन बाजारमूल्य से कम से कम दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पन्ति का उचित वाकार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) स्पीर अन्तरिसी (अन्तरिमियों) के बीच ऐसे ऋत्वरण के किए अब पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक कर से कथित नही किया गया है --

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे अचने में मुकिथा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रामिनयों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) यौ श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

श्रन. श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित विक्तियों, श्रवीत :--

- श्री श्रीविश्व राम भुगुन्न श्री गतेग दान, राजरानी पतनी गोदिन्व श्रीमती: मोमवर्ता पत्नी स्थ० भूली मिह, पत्ता के-17 ग्रीन पार्क एक्टेन्गन, नई दिल्ली।
   (ग्रन्नन्क)
- 2. डार्॰ जे॰ एस॰ सायुर सुनुत्र डा॰ एस॰ मायुर और छा॰ (श्रीसती) मदालमा मायुर पानी जे॰ एस॰ मायुर, ई-12, पना ग्रीन पार्क, नई विरुली । (श्रन्तिरिंगी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सस्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं। उक्त सस्पक्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजस्य में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की श्रमधि या नरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रमधि जो भी बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की नार्गख में 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड़ किसी श्रन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में ग्रथा-परिभाषित है, यही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

## श्रन्सृची

श्रध्रा मकान (टेमपरेरी स्टरम्बर)

प्लाट नं० कें-18, 208 वर्ग गण ग्रीन, पार्क एक्श्राटेन्श्रन, नई विरुत्तों खसरा नं० 4, खतौनी नं० 12/56, क्षेत्र गांव का : युसुफ सगय, नई विरुत्ता ।

> एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

नारी**खा. 27-1-19**8 :

श्रजेन रैज 1, विरुली/नई विरुली

माहर:

Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC Acq.-ISR-III 5-31 216.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K-18, situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the considerations of transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gobind Ram S/o Ganesh Dass, Raj Rani w/o Gobind Ram; Smt. Som Wati w/o late Bhooli Singh R/o K-17. Green Park Extn., New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. J. S. Mathur S/o Dr. D. S. Mathur and Dr. (Mrs.) Madalsa Mathur w/o J. S. Mathur r/o E-12, Green Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Incomplete house (temporary structure) on plot No., K-18, 208 sq. yds I'hesra No 4, Khatum No, 12/56, Green Park Extu., (Hari Nagar), New Delhi area of village Yusuf Sarai, New Delhi.

Date : 27-1-1982 Scal : S R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition, Range 1

Delhi/New Delhi.

## म्रायकर म्रह्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के ग्रह्मीन सुचना

नई विरुली, 27 जनवरी, 1982

सं बाई ०ए०सी०/एक्यू०-1/एस० ब्रार०-1/1/5-81/306 - - श्रन मुझे, एस० धार० गुप्ता, दायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त श्रिधितियम, कहा स्या है) की धारा 259का के शधीन गक्षम गधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रयाकर सम्पति, जिसदा उचित बाजार मूल्य 25,000 क से प्रक्षिक है और जिसकी सख्या 14/12 है तथा जो कालका जी, नई विल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इपसे उशाब के लिएची में पूर्ण रूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिवियम, 1908 (1908 का 16) के दशीन तारीख मही, 1981 को पूर्वोक्न गम्बन्ति के उचित बाजार गूल्य में कम से कम दुश्यमान प्रक्तिफार के निए नगरिए की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीका अस्पति था उचित नाजार सुरा, उसके कृष्य-मान प्रतिकार से, ऐते बणामान प्रतिका के ल्बाउ प्रतिकान तथि । है अपीर अन्तरक (अनारको) और उसारिमा (अन्तरिनियो) ने बीच ऐसे सन्तरण के लिए सम पत्मा गया अभिकः, निम्तातिका, उद्देश्य से उक्त धन्तरण िरिखित में बास्नविक रूप ने किया नहीं किया पा है --

- (क) अल ण भे तृति नि 'ाय र्ण बाबान रास्तर मधिनियम, 1901 (1901 पा ७३) के प्रधान कर देते हैं, रास्ता के वाधिना में उसा रासे या असे रास में मुक्तिया के निष्
- (ख) ऐंसे ि आय सा 1 मी धन या भन्न श्राम्त्या का, जिन्हें भारतेर साराकर अधिनियम, 1932 (1932 का 31) या श्राकर कांधेनियम, 1931 पा 43) या जन-वर, पितिस्म, 1937 का 27) के अयाजनार्थ अनारियी द्वारा प्रनट नहीं किया जा था, किया जाना चाहिए या, िता से जुनिया के जिला के जिला

भार प्रवास अवस्थितिस्या हा धारा 200-। के प्रवृतरण में, मैं उक्त प्रविधिस की धारा 200-र को अन्यारा (1) के प्रधीन निम्ब-लिखन व्यक्तियों, प्रथित --

- 1 स्वयं के लीडर एस० एस० पुरी सुपुक्त एस० एत० पुरी, पता ता-/।, बी० डी० ए० पलैट, सस्जिर मीठ, नई दिल्ली (धनारक)
- 2 राजेश मिलिन समुत्र श्री नन्द किसोर पत्रा 3/1 कालका जी, नई दिल्ला (प्रनारिकी)

को यह सूचना पारी गरक पूर्वोका सम्पत्ति के 'जेन है किए कार्यवाह सुक्र गरना हु। उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध म नाई भी धाक्षेप—

(क) इन सूचना के राजस्य में प्रकाणन की नाराख्य से 45 बिन की स्विता या जन्मकार्यी व्यक्तिमें उर सूचना की लागी। से सूचना की लागी। से अपिता अपिता की साम्यापन होती हो, की भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हारा :

(ख) इस सूचना के राजधन्न में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर पत्राचि में दिनवञ्ज किसी ग्रन्थ व्यक्ति ग्रास, प्रधोहन (असी के 1)म विखित में किये जा सकेंगे।

मार्थ्य भरण .-- इसमे प्रवृक्त एक्टा इतैर पर्यो का, जा क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्नाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, यही पर्य होता, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## श्रनुसूची

्रप्लाट न $\circ$  1 1/12, कासका जी, नई विस्ती, भेस्र 200 दश गज ।

एस० श्रार० गुष्ता, सक्षम श्रश्चिमारी, राव्यम त्रायकर त्रामुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रैंज I, विरुती/नई दिल्ली

तारी**ख** 27-1-1982 मोहर

# Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC|Acq.-I|SR-III|3-81|306—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1261) (helemafter referred to as the said Act) have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 14/12, situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully description in the Schedule annexed hereto), has been transferred toder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the thoree of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and It the consideration for such transfer as agreed to between the transfer is and maintenant of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ray the under the said Act, in respect of any name arising from the transfer; and/or
- (b) Leiheating the concealment of any mome or any noneys of other assets which have not been or which ought to be dichosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Note, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Sq. Ldr. S. M. Puri S o Sh. S. L. Puri, R/o B-76, DDA Flats, Masjid Moth, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh Rajesh Malik Slo Sh, Nand Kishore, Rlo 3/1, Kalkaji, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### SCHEDULE

Plot No. 14/12 Kalkati, New Delhi measuring 200 sq yds,

Date 27-1-1982 Seat S. R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I Delhi/New Delhi.

# न्नायकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के न्नधीम सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1983

सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/5-81/310 — नतः मुझ, गुन्ता, आयकर अधिनितम, 1961 (1961 वत 43) (जिसे इनमें इसके पण्यात 'जबन अधिनियम' तहा (स है ) की धारा 209-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्भक्ति, जिसका उधिन बाजार मुख्य 25,000 २० से गिधिक है और भिसकी संख्या जे/1851 है तथा जा जिलरंजन पार्क, नई विल्ला में स्थित है (धीर इससे उपास्त प्रनसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रिजर्द्धित ती प्रधिकारी के वायि भय, नई दिल्ली मे भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) में श्रधीन तारीख मई, 1931 को पुर्वेक्ट सम्मत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम से कम दुश्यमान प्रक्षिफल के लिए अन्तरित की गई है और मधी यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित याकार मूहय, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रत प्रतिगत अधिक है और अनरक (अन्तरकों) जीर अनारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्तरण के लिए तय पाता तथा प्रतिकार, निरन्तिखित उद्देवय से जनन प्रस्तरण विकास में काम्यविक रूप से कथित नहीं किया अबा है :--

- (क) श्रह्मारण से हुई किसी प्राप्त की वाबल श्राप्तकर प्रश्निनियम, 19,1 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के पम्लएक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुक्षिधा के निए भीर/या
- (ख) ऐपी कियो काय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तिया की, जिये सारतीय प्रायकर श्रीवित्यम, 1923 (1923 का 11) या क्रायकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रावित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तियम जन्ति किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में मुक्शि के लिए.

श्रवः श्रवः, उक्तः प्रधिनियम की धारा 269-1 वेः क्रमुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-(प) की उप-धारा (1) वेः लधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयंत्

- ) डा० कर्मीय मुमार ग्रास् पी-32, माउप एक्पटेकान पार्ट-2, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- श्री मती विजया जोशी, एस-230
   श्रीटर भैलाश-II, नई दिस्ली (श्रान्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन क निए कार्यबाही मुख्य करना हूं। उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी हाधीय

- (क) ६स तुलना के राजवात में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रवित्य सा संस्थानकारी व्यक्तियों पर सुचना की लामील से 30 दिन की श्रविध बाद में समालत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अप्य व्यक्ति हारा, अक्षोहस्याक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकीं।

स्पर्व्हीकरण :-- इसमें प्रयुक्त भाव्यों श्रीर पदों का, जो प्रायकर श्रीवित्रम, 1961 (1961 का 43) के श्रव्याय 20-क में यथा-परिशापित है, यही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

प्लाट न० 1851 ब्रवांक न० जे०, क्षेत्र 217 वर्ग गत्र **जितरं**खन पार्क म**र्श** दिल्ली

> एस० प्रार० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर अन्युक्त (निरंक्षण), अर्जन रैंज दिल्ली/नई दिल्ली

भारीख 27-1-82 माहर

Notice under section 269(D)(1) of the Income Tux Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81|310.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Plot No. 1851, Block-J situated at Chittranjan Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1903) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Di. Amiya Kumai Basu, P-32, South Extension, Parl-II New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt Vijaya Ioshi. S-230, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Plot No. 1851, Block-J area 217 sq. yds. Chittranjan Park, New Delhi.

Date: 27-1-1982.
Seal
S. R. GUPTA, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनत्ररी, 1982

सं० म्राई० ए० सी०/एच्यू०-I/एस० म्रार०-III/5-81/323 ---म्रतः पायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 एम० आर० गुप्ता (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा की धारा 269-ख के श्रधीन सभम ग्रधिकारी की. यह विश्वास करने का कारण है कि स्त्रात्रर सम्बक्ति, जिमाता उचित बाजार मृत्य 25,000/-र० में घधिक है और जिसकी संबत सी-455 है तथा जो डिफेस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इनसे जाविक भनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्टीकर्मा प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख मई, 1981 को प्रनॉक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में का द्रातात प्रतिकत के लिए श्चन्तरित की गई है श्रीर मधे यह विष्त्राम फरने का कारण है कि यथा<sup>-</sup> पूर्योजिन सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशम अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रीर श्रम्तरिसी (श्रम्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफाल, निम्नालिखित उद्देश्य से उन्तर प्रान्तरग जिल्लित में बास्तियिक रूप में कथित मही किया गथा है.--

- (क) ग्रन्त रण से हुई किसी श्राय की बाबत आयकर आधानेशन 1961 (1961 का 43) के श्रशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उपने अचने में मुक्तिया के निर्धी /ग
- (क) ऐसी दिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्श हारा प्रकट नहीं किया गया था किया जीना चाहिए था, छिनात में सुविधा के लिए,

श्रप्त श्राब, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग के श्रानुगरण में, मैं उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के श्रावीन निम्निकित्वित व्यक्तियों श्राथीत् —

 प्रेमकोध्यर, कु० बेला कोच्यर और दूसरे सी-438, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक) 2 राकेण कुमार जैन, 405-कुवा क्रजनाथ, चावनी चौक विरुषी। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचन। जारी करने पूर्वाक्त समात्ति के अर्थन के लिए कार्य-वाही शृक्ष करना ह। उना समात्ति के प्रदेश के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षेप

- (क) इस स्वता के राजपन्न में प्रकाशन की रारीख से 15 दिन की अप्रधि था तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की नामील से 30 दिन की अप्रधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वतिन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बार
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न भे प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीलस्थावरों के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आवकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) के श्रद्धाय 20-क मे यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

सी-455, डिकेंस कालोनी, नई विल्ली ।

एम० भ्रोर० गुप्ता, सक्षम श्रीधकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज I, दिस्ती/नई दिल्ली

ता**रीख** 27-1-82 मो*ह्*र:

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. 1/SR-III/5-81 323.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. C-455, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Reg stration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

- (1) Shri Piem Ko,hai, Afiss Bela Kochar, Miss Gauri Kochar, Gopal Kochai and Gobind Kochai, r/o C-438, Defence Colony, New Delhi, (Transfero)
- (2) Shii Rukesh Kumar Jain, 405, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazetie:

**Explanation.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter  $XX\Lambda$  of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-455, Defence Colony, New Delhi.

Date : 27-1-1982. Seal S. R. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range I Delhi/New Delhi

# भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सुवना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

संव बाई व एव सीव/एक्यूव-1/एसव ब्रारव-III/5-81/197. - ब्रन: मझे, एसव श्रारः गण्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गाया है) की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम ग्रधिकारी का, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ए० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी संख्या न० 2 है तथा जो फैंडम कालोनो, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमे उपावड अनुसूची मे पूर्व रूप से वर्णित है), रिजन्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण घिषिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम देश्यमान प्रतिफल के लिए श्रक्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ।पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्यरिती (अन्तरितियो) के यीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त ग्रस्तरण लिखिन मे ,नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति-रिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

ग्रानः प्रिष्ठ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य के भनुमरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उप-धारा (1) के प्रयोग निम्न-विशिवत व्यक्तियों, प्रथीं:---

- मैंगठ एमकोर्ट्स ट्रैक्टर निरु, रिप्तर एनकाट्स हाउस, रोक्तारा रोब, किली । (अन्तरक)
- 2 मैंग० निकी नाणा इडिया प्रा० लि०, रिज० आफिस महाजन हाउस ई-10 ड 2 साऊथ ऐवरट ज्यान पार्ट-2, रिग रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती) की यह सूचना जाग करके पूर्वांचन सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करना हूं। उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--
- (क) इस सूचना के राजस्य में प्रकाणा की तारीख में 15 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हाए।
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर। उक्त स्थावर गरा। र में दिनवाद कि। ग्रन्थ व्यक्ति द्वार ग्रश्चोहरूताक्षरी के प्रत्म निखित में किये जा सकेंगे।

स्पार्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो आधकर प्रशितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय '20-क में यथा-परि-भाषित है, यही अर्थ हाया जो उस अध्याय में विया गया है।

### सनुसूची

बगल। नं० 2, फ़ेड्स कालोनी, नई दिल्ली ।

एस०म्रार० गुप्ता, सक्षम स्रविकारी सहायक श्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रैंग 1, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीखा: 23-1-82], मोहर

# Notice Under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC Acq.-ISR-III [5-81] 197.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a, the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Bungalow No. 2, situated at Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May. 1981. for an apparent consideration which less than the fan market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  $\Delta ct$  or the Wealth-tax  $\Delta ct$ , 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Escorts Tractors Limited, Registered Office at Exports House, Roshanara Road, Delhi. (Transfero);
- (2) M/s. Niky Tasha India (P) Limted, Registered Office at Mahajan House, E-1 and 2, South Extension Part II, Ring Road, New Delhi. (Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow No. 2, Friends Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority
Date: 23-1-1982.

Seal Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रश्रीत सूचना

नर्ड विस्सी, 23 जनवरी 1992

सं बाई ० ए० सी०/एक्यू०- ।/एस० घार०- ।। ।/ 5-81/256 .- प्रत. मसे, एस ब्राप् व प्रायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात गृप्ता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुप्से अधिक है भीर जिसकी संख्या सी-89 है सथा जो ब्रानस्य निकेतन, नई दिल्ली-1 में स्थित है (धौर इसमे उपाबद्ध धनुसूची मे पूर्व रूप से वर्णिय है) राजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, विल्की में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मल्या से कम से कम दश्यमान प्रतिकल के लिए अरुपित को गई है घीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे कुरयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरका) भीर अन्तरिक्षी (भन्तरिक्षा) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकला, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बजते में मृबिश के लिए और/या (ख) ऐसी किसी ग्राय था किसी का ग्रा भन्य ग्रास्तियों तो, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीवित्तियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रीवित्तियम, 1961 (1964 का 43) या भ्रत-कर ग्रीवित्तियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयाजनार्थ भ्रत्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था क्या जाना चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए,

भतः श्रवः उक्त श्रश्चित्यमः की श्रारा 269-ग के श्रनुमरण में, मैं उक्त श्रीश्चित्रम की श्रारा 269-श की उप-श्रारा (1) के श्रश्चीन निम्नलिखित श्राक्तियो, श्रश्चीत् .---

- शिव नश्च सिह प्रावराय निवासी सी-89, प्रातन्द निकेपन, नई दिल्ली (प्रन्तरक)
- उत्तर भनेवीर मचदेवा ग्रीर श्रीमता चला मचदेवा निवासी कं-35, कताट लेम, नई दिल्ली (भ्रन्तिर्रत)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्भन के लिए कार्य-वाही मुक्त करता हू। उक्त सम्पत्ति के श्रर्भन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षण---

- (क) इस सूचना के राजस्य में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध य तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध को भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खर) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किने जा सकेंगे

स्पष्टीकरण .-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो धावकर प्रथितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रद्धाय 20-क में यया-परिभाषित है, यही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **भनुस्**ची

प्रौ० न० सी-89, श्रानन्द निकेतन, नर्ष दिल्ली ।

एम०बार० गुप्ता, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली/नई विल्ली-11000 2

**तारीख: 23-1**82

मोहरः

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81|256.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. C-89, situated at Anand Niketan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Nabh Singh Uberoi, C-89, Anand Niketan, New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. Dharam Vir Sachdeva and Mrs. Champa Sachdeva r/o K-35, Connaught Place. New Delhi. (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation.** --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. C-89, Anand Niketan, New Dethy.

Date : 23-1-1982. Seal S. R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range 1 Delhi/New Delhi.

श्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन मुचना

नई क्लिनी, 23 अनवरो, 1982

स० भाई० ए० सी०/एकपू०-1/एस० भार०[11/5-81/320— अतः मुझे, एस० भार० गुण्ना भासकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पण्चान् 'उतः अधिनियम' कहा गया है) का धारा 269 खंक प्रधान सभम प्रधिकारी का, यह विश्वास धार्म का गया है का धारा 269 खंक प्रधान सभम प्रधिकारी का, यह विश्वास धार्म का गरण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 हर से अधिक है और जिसकी संख्या पी-8/सी है तथा जो हौज खास एन्डलेव, नई दिक्ली में रिया है (भीर इसमें उपाबक अनुसूची में पूर्व कर में विगत है), रिवर्मीकर्मा प्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय र्राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख धर्म, 81 की पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम में कम दृष्यमान धरिपण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक सम्पत्ति का प्रवित्त बाजार मन्य से कम में कम दृष्यमान प्रतिकार में, ऐसे दृष्यमाल प्रवित्त के प्रदृह प्रतिशत प्रधान है और प्रस्तरक (प्रवर्गको) और प्रस्तिती (प्रस्तरिती) के बीच ऐसे धन्तरण के शिए तथा प्रथा गया प्रात्तकथ 1270 QI/81—3

निम्नशिख्ति उट्टेण्य से उक्त ग्रन्तरण विखित में थास्तविक क्रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दामित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या श्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या शायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए.

श्रात श्राब, उक्त श्राधितियम की धारा 26५-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रीधितियम की धारा 36५-घ की उप-धारा (1) के धशीन निम्नलिखित धारियों, शर्थानु --

- । श्रोमर्त सुमित्र। इंकिट सिंह पना पं श्रीमी, द्रीज खास ऐस्क्लेब, नई दिस्सी। (ग्राक्ति)
- 2 श्रामनी माहिनी जयदेव डोलयानी ग्रीर दूसरे पी-श/मी हीज खास एक्केव, नई दिस्ली (ग्रंतरिनि)

का यह सूचना जारी करके पूत्रोक सम्पत्ति के ब्रजन के लिए कार्यशही मुख्य करता है। उक्त सम्पत्ति के ब्रजन के सम्बन्ध में बोर्ड भी बाक्षेप

- (क) १म मूचना के राजस्य में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीम में 30 दिन की ध्रविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्विक स्थलियों में किसी व्यक्ति होता;
- ंख) इस सूचना के राजनात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मार्गाल से हिनबढ़ किना प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नेहस्लाक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्पर्ध्यक्षरण —- इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर गर्दों का, श्री स्रायकर स्वधिनियम, 1961 (1961का 13) के सब्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, सही पर्य होगा, जो अप सहपाय भे दिया गया है!

#### श्रनस्रभे

प्री ० न ० पी- शर्मी, होज खास एन्स्लेस, नई दिल्ली ।

ास अप्राप्तः गुप्ताः, सक्षमः प्रशिकारी

हरी स्थः ॥२-१-1983 सहाय ग्रायकर प्रायक प्रायक (निरीक्षण)

मंहर प्राप्ति रज ो, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

Notice Under Section 269D(1) of The Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III. 5-81|320.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and hearing No. P-8/C, situated at Hanz Khas Finclave, New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A. t. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Sumitra Dogar Singh r/o, D-8/C, Hauz Khas Enclave, New Delhi. (Transferor);
  - (Transferor)
- (2) Smt. Mohini Jaidev Dolwani and others r/o P-8/C, Hauz Khas Enclave, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Guzette:

Exploration—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE.

Property No. P-8/C. Hauz Khas Enclave, New Delhi.

S. R. GUPTA. Competent Authority
Date: 23-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I

Delhi/New Delhi

मायकर म्रिनियम, 1961 (1961 फ. 43) की धारा 269 घ(1) के श्रशीसचना

नर्ड दिल्ली, ७७ जनवरी, 1982

सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस०ब्रार०-[स]/ 5-81/59--- धत: मुझे, एम० घार० गुना आयकर श्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्यके पश्चात् 'उक्त अधित्यम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी की. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्यति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 25,000 ४० थे अधिक है और जिसकी संख्या जी-36 है तथा जो संध पुरी, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची में पूर्व अप से धणित है), रिजर्ट्यकार्य अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्यकारण अधिकारी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्यकारण अधिकारमा 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त मन्पत्ति के जिल्ला मार्ग मृत्य से कम से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए शन्तरित्त की गई है और भूक्षे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उरित्त बाज़ार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के एन्इह प्रतिशत श्रीव है और अन्तरक (भन्तरकों) और यन्तरित (अलारितयों) के बीच ऐसे

ग्रक्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिकल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त ग्रस्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाजा प्रायक्तर प्रांधित्यमः 1961 (1961 का 43) के प्रजीन कर देते के घन्तरण के दायित्य में कमी करते या उनके नतनों में सुविधा के लिए जीन/या
- (ख) ऐसे किनी भ्राप या किसी धन या अन्य श्रास्तियों का, निन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर, श्रिक्षित्यम, 1957 (1957 ते। 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गर्न था, किया जाना चाहिए था, छियाने में सुनिधा के लिए.

धनः प्रवः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मः, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्न-निधित ब्यांक्तमों, प्रधीतः:--

- । राकेश कुमार काहर्ला सुपुत श्री जाल मुकुंद भीर दूसरे, जी-36, राधे पुरी, दिल्ली-51 ——(श्रंतरक)
- 2 द्वारका नाथ भाग पान मुत्रुव श्री लक्ष्मण दास, डी-3/21 इष्णा नगर दिग्ली-51 —(फ्रांतरिसि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकि सम्पन्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही एक करना है। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षिप

- (क) इस सूचना के राज्ञान में प्रकाशन की वारीखासे 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की सामील में 30 दिन की प्रविध के भार में समाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपण्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्तिद्वारा, प्रधाहम्बाधनी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पर्ट्यक्ररण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रामकर मांश्रानयम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

प्री ० न - भी- ३८ क्षेत्र वर्ग गज ग्राम खुरेशी खास राघे पुरी, दिल्ली ।

नारीख 27-1-83 मोहर एस० भार० गुप्ता, सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रैंज 1 दिल्ली/नई दिल्ली

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-IV/5-81[59.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value, exceeding Rs. 25000 and bearing No. G-36, situated at Vill. Khureji Khas, Radhey Puri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A 1, 1998 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Rakesh Kumar Kohli S/o Shri Bal Mukand Kohli and others r/o G-36, Radhey Puri, Delhi-51. (Transferor);
- (2) Shri Dwarka Nath Nagpal S/o Shri Lachhman Dass r/o D-3/21, Krishna Negar, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Grzette:

Explanation.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. G-36, area 228 sq. yd. Vill. Khureji Khas, Radhey Puri, Delhi.

S. R. GUPIA, Competent Authority
Date: 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Sent Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

ग्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रिधीन सुबना

नई दिल्ला, 29 जनवरी, 1982

संव ब्राईव्यवसीव एक्यूव-1/दसव ब्रारव-111/5-81/190.--जन: मुझे व्राप्त अग्ना आवकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसम इमके प्रकाल 'उन श्रिवियम'यहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन अजन अधिकाश को, यह निष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उन्ति। बाजार मूल्य 25,000 डव ने प्रधिक है और जिसकी संह्या ही-28 है ज्या जो जंगपुरा एक्टिंगन, नई हिल्ली में स्थित है (और इसमे उपादद अनुसूची से पूर्व क्या से शिषत है), रिज्यांका थि। कारों के पार्यालय अनुसूची से पूर्व क्या से शिषत है), रिज्यांका थि। कारों के पार्यालय अधीन संग्रीय रिजस्ट्रीयण चित्रियस, 1908 (1908 का 10) के प्रधीन संग्रीय रिजस्ट्रीयण चित्रियस, 1908 (1908 का 10) के प्रधीन संग्रीय मई, 1981 को पूर्विक सम्पत्ति के उत्तिन बाजार पूल्य से कम से कम दृष्यमान प्रतिक कि लिए अन्तरित की गई है और मूर्व यह विश्वस सरने का कारण है कि यथापूर्योक्ति सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐपे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्र प्रतिणत यधिक है और प्रनरक्त (अन्तरकों) और अन्तरित (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे

र्यक्सरण के लिए तस पासा गया प्रतिकत, निम्मलिधित उद्देश्य से उक अस्तरण निस्त्रित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है.

- (५) अल्लरण से हुई (करी याज क) बाबन आवार आंक्षिया, 1961 (1961 का 43) के अर्जन कर देने के अल्लरक के दायित्व में क्ली करने या उससे अवने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी याय था किसी धन था थन्थ शास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रतिनियन, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रीधिनियन, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिविनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिति श्रारा प्रकट नहीं किया गया। आ/किया जाना निरिष्ण था छिपाने में सुविधा के लिए.

रातः, सव, उक्त ध्रशिनियस की धार 269ना के ध्रमुसरण में, मै उक्त श्रश्चिनियम की धारा 260-च की उप-प्रारा (1) के ध्रधीन निम्न-लिखिए व्यक्तियों, ग्रथीन्.--

- अं एल ल्यार० वृथरा भीर श्री पी०मी० नूथरा सुपुत श्री मंहित लाल, नियाती ए-१०, ग्रीन पार्क नई दिल्ली। (अन्तरण)
- 2 श्र $^{+}$  छोटे लाल निवार, ग्रीर हीरा लाल तिवारी पना $\sim 2$  1-प्राग्पूर होड, भोगल, तर्द हिस्सी । (अन्तरिति)

का ग्रह सुनना जारी करके पूर्वीक सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाही भूछ करना है। उक्त सम्पति के भ्रार्थन के सम्बद्धा में कोई भी स्रार्थिप :

- (क) दन पूचना है प्राज्ञन भ प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि सा नत्मान्वन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की स्थानि बाद में सनाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक व्यक्तिमें किशि व्यक्ति हाना :
- (ख) क्षा सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीत में दिनाइ किसी घरत व्यक्ति द्वारा, श्वीहरूपाक्षरों के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .-- इसमें प्रपुक्त आब्दों श्रीर पदों का, जो भायकर अधिनियम. 1961 (1961 दा 43) के श्रष्टपाय 20क में यया-परिभाजित के, मही श्रश्नं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### भन<u>ुस</u>ुची

प्री ० तं ० डो-२४, जनपुरा एक्सटेंशन, नई दिन्ती ।

एस् अधार गृप्ता, मक्षम श्रीविकारी, मा ० 29-1-1982 सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), सीनं श्रवंत रेंज र विल्ली, नई विल्ली-110002 के ० जी ० नायर, आपर सर्विव

Notice Under Section 269D(1) of The Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 29th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81 190.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. D-28, situated at Jangpura Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

(1) Shri L. R. Luthra and Shri P. C. Luthra S/o Shri Mohan Lal r/o A-10, Green Park, New Delhi. (Trunsfero).

(2) Shri Chotey Lal Tiwari and Shri Hira Lal Tiwari r/o 24-Jangpura Road, Bhogal, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE.

Property No. D-28. Jangpura Extension, New Delhi.

Date 29-1-1982. Seal S. R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range 1 Delhi/New Delhi.

K. G. NAIR, Additional Secy.